Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019

B.A. Philosophy (Semester: Fourth)

Philosophy

न्याय–दर्शन–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. गौतमीय न्यायदर्शनानुसार तत्त्वज्ञान की प्राप्ति हेतु विभिन्न उपायों की प्रमाणपूर्वक विवेचना करें।
2. न्यायदर्शनानुसार निग्रहस्थान क्या है? निग्रहस्थान के कितने भेद हैं? तथा किन्हीं प्रमुख छः निग्रहस्थानों का उदाहरण सहित निरूपण करें।
3. "आत्मा देह-इन्द्रियादि संघात से भिन्न है तथा नित्य है" - प्रस्तुत सिद्धान्त की पुष्टि में प्रमाण प्रस्तुत करें।
4. न्यायदर्शन के परिप्रेक्ष्य में इन्द्रियों का भौतिक तथा प्राप्यकारि होना सिद्ध करें।
5. स्मृति ज्ञान की उत्पत्ति मे सम्भावित निमित्तों का प्रामाणिक वर्णन करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. जाति क्या है? तथा जाति के कितने भेद हैं? निम्न में से किन्हीं 3 जातियों को स्पष्ट करें -

   1. उत्कर्षसमा 2. साध्यसमा 3. साधम्यसमा 4. प्राप्तिसमा ।

2. "ज्ञान आत्मा का गुण है मन अथवा इन्द्रियों का नहीं" - प्रस्तुत कथन की पुष्टि करें।
3. न्यायदर्शन के आलोक में 'पुनर्जन्म' के सिद्धान्त को प्रामाणित करें।
4. न्यायदर्शनानुसार इन्द्रियां एक हैं अथवा अनेक ? प्रमाणपूर्वक विवेचन करें।
5. "तत्त्वाध्यवसायसंरक्षणार्थं जल्पवितण्डे बीजप्ररोहसंरक्षार्थं कण्टकशाखावरणवत्' सूत्र की प्रसंगानुसार व्याख्या करें।
6. "ऋण, क्लेश, तथा प्रवृत्ति के जीवनपर्यन्त रहने के कारण अपवर्ग असिद्ध है" - प्रस्तुत आक्षेप का निराकरण करें।

खण्ड–स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(05×01=05)**

1. न्यायदर्शनानुसार मन का क्या परिमाण है ?
2. गौतम मुनि अनुसार दोष कितने हैं ?
3. न्यायदर्शन में कुल कितने अध्याय, आह्निक तथा सूत्र हैं?
4. निग्रहस्थान कितने हैं ?
5. न्यायदर्शनानुसार ज्ञान नित्य है अथवा अनित्य ?

----------X----------